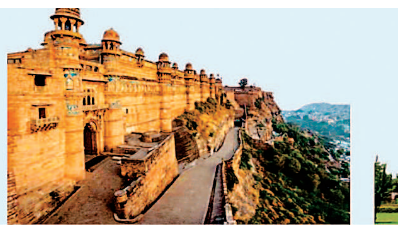

एक नजर में

एमपीपीएससी परीक्षा में कई अभ्यर्थियों के नाम में सरनेम नहीं, अधिकारियों से चर्चा के बाद मिला प्रवेश

बुरहानपुर। बुरहानपुर में रविवार को एमपीपीएससी की परीक्षा दो केंद्रों पर आयोजित की गई। इस दौरान सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय स्थित केंद्र पर कुछ अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र में नाम मिसमैच की समस्या सामने आई। शुरुआत में उन्हें प्रवेश से रोका गया, लेकिन अधिकारियों से चर्चा के बाद उन्हें परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी गई। दरअसल कुछ परीक्षार्थियों के नाम के साथ सरनेम नहीं लगा था, जिससे उनके नाम अधूरे थे। प्रवेश से पहले जब उनसे दस्तावेज मांगे गए, तो वे अपने साथ कोई वैध प्रमाण पत्र नहीं लाए थे। परीक्षा केंद्र पर तैनात टीम ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। हालांकि, उन्हें दूसरे सत्र में नाम सत्यापन के लिए वैध दस्तावेज लाने के लिए कहा गया। अपर कलेक्टर ,एडीएम सृजन वर्मा ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सुभाष स्कूल केंद्र पर कुल 268 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे थे। जांच के दौरान चांदी की चेनए चश्मा और बेल्ट जैसे सामानों को अंदर ले जाने की अनुमति नहीं थी।

दो सत्र में परीक्षा:– राज्य सेवा और वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा.2026 दो सत्रों में आयोजित की गई। पहला सेशन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक है। जिले के दो परीक्षा केंद्र जीजामाता शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज और शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में यह परीक्षा संपन्न होगी। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इस परीक्षा में नवीन त्रि.स्तरीय प्रक्रिया के तहत प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया। इसमें अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, सीसीटीवी वेबकास्टिंग से निगरानी और अत्याधुनिक मेटल डिटेक्टर द्वारा महिला व पुरुष की अलग.अलग तलाशी शामिल थी। जांच के बाद प्रवेश पत्र पर होलोग्राम स्टीकर लगाया गया और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा आयोजित की गई।

तपती धूप में यात्रियों के लिए अमृत बनी श्री बहुचरा माता सेवा समिति की पहल

बुरहानपुर। भीषण गर्मी और झुलसा देने वाली धूप के बीच जब सफर की थकान कंठ सुखा देती हैए तब मानवता का एक हाथ श्तृप्तिश् बनकर विगत 4 रविवार से सामने आया। रविवार को स्थानीय रेलवे स्टेशन पर श्री बहुचरा माता सेवा समिति,राजपुरा द्वारा एक अनूठी सेवा पहल की गई। एक बूंद मानवता की, ध्येय वाक्य के साथ समिति के सदस्यों ने यात्रियों को शीतल जल पिलाया और उनकी थकान मिटाई। समिति के अध्यक्ष उमेश सुगंधी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल प्यास बुझाना नहींए बल्कि सेवा के उस अटूट रिश्ते को जीवित रखना है जो अजनबियों को एक.दूसरे से जोड़ता है। दोपहर के समय जब सूरज की तपिश चरम पर थी, तब स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनों के यात्रियों के लिए यह शीतल जल किसी श्आशीषश् से कम नहीं था। यात्रियों के चेहरों पर आई मुस्कान ने सेवा की सार्थकता को सिद्ध किया। समिति का मानना है कि प्यास का कोई धर्म नहीं होता और निस्वार्थ सेवा ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। इस आयोजन में समिति के सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

केंद्रीय विद्यालय में कक्षा पहली में प्रवेशोत्सव

नेपानगर। केंद्रीय विद्यालय में शनिवार को कक्षा 1 का प्रवेश उत्सव मनाया गया। छोटे छोटे बच्चों का आज विद्यालय में पहला दिन रहा जिसे विद्यालय परिवार के प्राथमिक विभाग द्वारा यादगार बनाया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का संचालन कर रहे मनीष सिंह ने अत्यंत प्रसन्नता और उत्साह के साथ कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का स्वागत किया। प्राचार्य रामावतार यादव ने बताया कि यह एक रोमांचक यात्रा है जिसे हम एक साथ शुरू करने जा रहे हैं,जो सीखने, विकास और अनंत संभावनाओं से भरी है। चाहे यह कक्षा में आपका पहला अनुभव हो या आप अपनी शैक्षिक यात्रा जारी रख रहे हों, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम एक साथ इस समय का अधिकतम लाभ उठाएंगे। प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों ने संगीत शिक्षिका रचना मरकाम के मार्गदर्शन में स्वागत गीत व सुंदर नृत्य से पहली कक्षा के बच्चों का जोरदार स्वागत किया। प्राचार्य यादव ने नए बच्चों और उनके पालकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम बच्चों के भविष्य की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक मजबूत नींव रखेंगे। इंटरैक्टिव गतिविधियों में शामिल होंगे और एक सहायक और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देंगे। हमारा उद्देश्य न केवल ज्ञान प्रदान करना है बल्कि विद्यार्थियों की जिज्ञासा,आलोचनात्मक सोच,कौशल और सीखने के प्रति प्रेम को विकसित करना भी है। हमारा मानना है कि प्रत्येक छात्र में अद्वितीय शक्तियां और प्रतिभाएं हैं जो खोजे जाने की प्रतीक्षा कर रही हैं। इसलिए हम सभी अभिभावकों को सक्रिय रूप से भाग लेनेए प्रश्न पूछने और अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करते है। कक्षा शिक्षक मनीष सिंह और सीनियर प्राथमिक शिक्षकों ने माता पिता और अभिभावको को बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी भागीदारी और समर्थन बच्चे की वृद्धि और विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बच्चों को जंक फूड/फ़ास्ट फूड से दूर रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत मे बच्चों को मिठाई वितरित कर निरन्तर विद्यालय में उपस्थित रहने के प्रेरित किया गया। प्राथमिक विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका पूनम वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजन में वरिष्ठ शिक्षक एपी कोरी, सीसी, प्रभारी भगवती लाल भील,संगीत शिक्षिका रचना मरकाम,पूनम वर्मा, विशाल हल्दे, राहुल वर्मा, श्रद्धा चौबे, यशिका राठौड़ व उपस्थित अन्य शिक्षकों ने सहभागिता दी।

घायल को अस्पताल पहुंचाने में की मदद

नेपानगर। मंडल अध्यक्ष दर्यापुर महेंद्र जोगी ने एक घायल को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिली जिसके बाद मौके पर पहुंचे और तत्वरित चौकी में सूचना देकर घायल युवक को अपने साथियों की मदद से वाहन से अस्पताल पहुंचाया।

अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पथराव, तीन जेसीबी फोड़ी, तीन घायल

500 से अधिक वनकर्मियों, पुलिस का अमला पहुंचा था झांझर, जेसीबी चालक, पटवारी, आरआई घायल

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर/नेपानगर। बुरहानपुर वन मंडल के तहत आने वाली नेपानगर रेंज के झांझर क्षेत्र में चलाए जा रहे अतिक्रमण निरोधी अभियान के दौरान रविवार सुबह अतिक्रमणकारियों के एक समूह द्वारा संयुक्त कार्य बल पर पथराव किया गया। यह टास्क फॉर्स वन विभाग, पुलिस विभाग, जिला प्रशासन के अधिकारियो, कर्मचारियों से मिलकर गठित था।

अतिक्रमण बेदखली कार्रवाई से पहले सभी अतिक्रमणकारियों को पूर्व में विधिवत बेदखली नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन अतिक्रमणकारियों द्वारा अपना अतिक्रमण नहीं हटाया गया। आज जब वन पुलिस और राजस्व विभाग का संयुक्त दल कार्रवाई करने पहुंचा तो कार्रवाई का विरोध करते हुए पथराव कर दिया गया। साथ ही अतिक्रमण रोधी कार्रवाई में लगी तीन जेसीबी मशीनों के कांच फेड़ दिए गए। एक जेसीबी चालक के सिर में चोट आई जिसे तत्काल मौके पर मौजूद एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। उपचार के बाद घायल जेसीबी चालक खतरे से बाहर है।

पथराव के बाद दोबारा पहुंची टीम, ट्रेंच खोदी:– पथराव की घटना के बावजूद टीम द्वारा कार्रवाई जारी रखते हुए दोबारा मौके पर पहुंचकर लगभग 190 हेक्टेयर क्षेत्र से 49 अवैध रूप से बनाई गई आधी अधूरी अस्थायी झोपड़ियों को हटाया गया। यहां अतिक्रमण रोधी ट्रेंच खोदी गई।

हमले में तीन लोग हुए घायल :– इस घटना में एक राजस्व निरीक्षकए एक पटवारी व एक जेसीबी चालक घायल हुए। जेसीबी चालक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गयाए जहां अब उनकी स्थिति सामान्य है। वन अफ्सरों के अनुसार जो भी इस घटना में शामिल थे उनके खिलाफ वन अपराध दर्ज कर विधि सम्मत कार्यवाही की जा रही है। बुरहानपुर एसडीओ अजय सागर ने कहा पहले से ही अतिक्रमणकारियों नोटिस जारी किए गए थे। लंबे समय से वह अतिक्रमण खाली नहीं कर रहे थे। कार्रवाई में बुरहानपुर के डीएफओ विद्याभूषण सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश,भारतीय वन सेवा प्रशिक्षु अजय गुप्ता, एसडीएम भागीरथ वाखला, एसडीओ वन बुरहानपुर अजय सागर, एसडीओ वन नेपानगर विक्रम सुल्या, एसडीओ प्रशिक्षु शिवम गौतम सहित लगभग 500 अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। खंडवा, बड़वाह, खरगोन से भी बल बुलाया गया।

नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल बुरहानपुर द्वारा 26 अप्रैल रविवार को आल इज़ वेल हॉस्पिटल में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। महिला रोग स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक मरीजों ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर में ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल के डॉ.मोनिश गुप्ता ;स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं डॉ.किमाया शाली ;स्त्री रोग विशेषज्ञ के द्वारा महिलाओं को होने वाली स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का परामर्श किया गया। सभी मरीजों को मौसमी विकारों से बचने एवं सुरक्षित रखने की सलाह दी। सभी मरीजों का सोनोग्राफी एवं कॉल्पोस्कोपी एवं ब्लड प्रेशर शुगर की जाँच की गई।

खकनार पुलिस ने जुआ खेल रहे आधा दर्जन लोगों को पकड़ा

नवभारत न्यूज,
खकनार। पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार व्दारा क्षेत्र में अवैध जुआ-सट्टा पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके पालन अति. पुलिस अधीक्षक अंतरसिंह कनेश एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नेपानगर निर्भयसिंह अलावा के मार्गदर्शन में शनिवार देर रात में थाना प्रभारी अभिषेक जाधव को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई की ग्राम जामनिया रोड तरफ कलाली के पीछे खेत में में कुछ व्यक्ति पत्तो से हार जीत का जुआ खेल रहे है।

इस पर हमराह फोर्स के ग्राम बताये स्थान में टीम बनाकर रवाना किया गया। कलाली के पीछे खेत में 06 व्यक्ति जुआ खेलते दिखे जिन्हे फोर्स की मदद से घेराबन्दी कर पकडा गया। जिनका नाम पता पुछते विजेश पिता मोजीलाल मावस्कर जाति कोरकू उम्र 24 साल निवासी ग्राम रगई, विरेन्द्र पिता भारत सुर्यवंशी उम्र 30 साल निवासी खकनार कला,उमेश पिता प्रकाश जाधव उम्र 35 साल निवासी खकनार कला, गोपाल पिता हरीचन्द ढोले उम्र 32 साल निवासी खकनार खुर्द,अतुल पिता सुभाष पाटील उम्र 40 साल निवासी खकनार कला, सुनिल पिता भुरा महाजन उम्र 50 साल निवासी खकनार कला का होना बताया। मौके पर आरोपियो के कब्जे एवं फड़ से 52 ताश पत्ते व नगदी 38,400/-रूपये जप्त किये गये। वापसी पर आरोपियो के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में विजेश पिता मोजीलाल मावस्कर जाति कोरकू उम्र 24 साल निवासी ग्राम रगई, विरेन्द्र पिता भारत सुर्यवंशी उम्र 30 साल निवासी खकनार कला, उमेश पिता प्रकाश जाधव उम्र 35 साल निवासी खकनार कला, गोपाल पिता हरीचन्द ढोले उम्र 32 साल निवासी खकनार खुर्द, अतुल पिता सुभाष पाटील उम्र 40 साल निवासी खकनार कला, सुनिल पिता भुरा महाजन उम्र 50 साल निवासी खकनार कला हैं।

कार्रवाई में निरीक्षक अभिषेक जाधव, उनि रामेश्वर बकोरिया, प्रधान आरक्षक मेलसिंह सोलंकी, सतीष सुर्यवंशी, शिवनारायण पाल, सत्यभानसिंह , आरक्षक मंगल पालवी, अजय अहिरवार, कैलाश मोरे, सैनिक गौरव शामिल रहे।

नेपा मिल : 3 दिन में 310 मीट्रिक टन कागज तैयार

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। बुरहानपुर स्थित एशिया की पहली अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड ने बिना किसी आर्थिक पैकेज के उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है।मिल ने महज तीन दिनों में 310 मीट्रिक टन कागज का उत्पादन किया है। 71 साल पुरानी इस मिल का इतिहास उतार.चढ़ाव भरा रहा है। आज नेपा डे है और मिल को 71 वर्ष पूरे हो गए हैं। मिल के 71 साल के इतिहास में छह से सात साल ऐसे भी रहे जब कागज उत्पादन पूरी तरह बंद रहा। 2022 में मिल फिर से शुरू हुईए लेकिन अगले चार वर्षों में कोई खास उपलब्धि हासिल नहीं हो सकी।

बार-बार बदले सीएमडी:– 2024 से 2026 के बीच मिल में तीन सीएमडी बदले गए। आरके चोखानी 26 मार्च 2024 से 15 अप्रैल 2025 तक सीएमडी रहे, जिनके कार्यकाल में 7403 मीट्रिक टन कागज का उत्पादन हुआ। इसके बाद अरविंद वढ़ेरा 16 अप्रैल 2025 से 23 फरवरी 2026 तक सीएमडी रहे,लेकिन उनके कार्यकाल में उत्पादन पूरी तरह बंद रहा।अब भेल भोपाल से आए नरेश सिंह ने पदभार संभालते ही अधिकारियों और कर्मचारियों में नई ऊर्जा भरी। इसके परिणामस्वरूप बंद पड़ी मिल की एक मशीन चालू कर तीन दिनों में 310 मीट्रिक टन कागज का उत्पादन संभव हो पाया। अब दूसरी मशीन को भी चालू करने की तैयारी की जा रही है। हालांकि मिल को अभी भी सरकार से आर्थिक पैकेज का इंतजार है। लगभग एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों को एडमिन ऑफिस से मिल में स्थानांतरित कर मशीन संचालन में लगाया गया हैए जिससे उत्पादन में सुधार देखने को मिला है। **469 करोड़ से हुआ कायाकल्प:**-वर्ष 2022 में 469 करोड़ रुपये की लागत से मिल का कायाकल्प किया गया था। हालांकि एक साल के भीतर ही संचालन धीमा पड़ गया और अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक उत्पादन पूरी तरह बंद रहा। अब एक बार फिर उत्पादन प्रक्रिया शुरू की गई है। **अभी भी पैकेज का इंतजार:**-मिल को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए 150 करोड़ रुपये के पैकेज की मांग की गई थी। सांसद सहित कई प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी से भी मिले, लेकिन अब तक कोई घोषणा नहीं हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही मिल को पैकेज मिल सकता है। **यह है नेपा मिल का इतिहास:**-वर्ष 1995 में नेपा मिल ने देश में पहली बार गुलाबी समाचार पत्र कागज बाजार में पेश कियाए जिसका उपयोग प्रमुख वित्तीय अखबारों में होता है। लगभग 2015.16 से बंद पड़ी मिल का 469 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिकीकरण किया गया। अप्रैल 2026 में मशीन नंबर 1 से फिर उत्पादन शुरू किया गया। यह मिल रद्दी कागज को रीसाइकिल कर कागज बनाती है। मिल की स्थापना 1947 में हुई थी और 26 अप्रैल 1956 को राष्ट्र को समर्पित की गई थी।

हैदरपुर में मध्यस्थता जागरूकता शिविर, नेशनल लोक अदालत की दी जानकारी

नेपानगर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुरहानपुर की अध्यक्षा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रेमदीप सांखला,नेपानगर सिविल न्यायालय की न्यायाधीश व विधिक सेवा प्राधिकरण की जिला सहायता अधिकारी अनुपमा मुजाल्दे मेडम के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत हैदरपुर में मध्यस्थता जागरूकता शिविर व 9 मई 26को नेशनल लोक अदालत के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई। मध्यस्थता के माध्यम से राजीनामा योग्य मुकदमों का निराकरण आपसी सहमति रजामंदी से बगैर शुल्क दिए निपटारा किया जाता है इसमें दोनों पक्षों की आपसी दुश्मनी हमेशा के लिए समाप्त होकर प्रेम पूर्वक रिश्ते कायम हो जाते हैं। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक अपराधिक मामले जैसे सिविल, विद्युत अधिनियम, श्रम, मोटर दुर्घटना दावाए चेक बाउंस प्रकरण, उपभोक्ता फोरम, कुटुम्ब न्यायालय, राज्यस्व न्यायालय इस प्रकार के प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। शिविर में पेरालिगल वालेंटियर डॉ एलएल लौवंशी, महेश चंद्र शिवहरे, शहजाद अली, महेंद्र गुजराती, मिलिंद किरंगे, गजानंद चतुर्वेदी, ग्राम के गणमान्य नागरिकों का शिविर में विशेष सराहनीय योगदान रहा।

नपाध्यक्ष के खिलाफ फिर से कांग्रेस की ही महिला पार्षद मुखर

नवभारत न्यूज, नेपानगर। नगर पालिका की हाल ही में आयोजित हुई पीआईसी बैठक को लेकर अध्यक्ष का बयान सामने आया है कि सभी मुद्दे पारित हो गए हैं। इसे कांग्रेस की महिला पार्षदों ने वास्तविकता से परे बताया है।

पार्षद योगिता पाटिल ने बताया पीआईसी की बैठक में कुल 20 बिंदुओं पर चर्चा प्रस्तावित थी,लेकिन वास्तविक स्थिति यह रही कि केवल वित्तीय वर्ष 2026.27 का बजट ही सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके अलावा शेष 19 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर न तो समुचित चर्चा हो सकी और न ही किसी प्रकार की सहमति बन पाई। बैठक के दौरान एजेंडों को जल्दबाजी में पारित कराने का प्रयास किया गयाए जिससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि इसमें अध्यक्ष भारती पाटील और सीएमओ मोहन सिंह अलावा के निजी स्वार्थ जुड़े हो सकते हैं। कई मामलों में पहले ही खरीदी कर ली गई और उसके बाद रेट स्वीकृति के लिए प्रस्ताव लाया गया,जो पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और वैधानिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। जब इन विषयों पर हमारे द्वारा प्रश्न उठाए गए तथा संबंधित फाइलों की मांग की गई तो सीएमओ द्वारा फालतू बातें मत करो जैसा गैर जिम्मेदाराना और असंवैधानिक जवाब दिया गयाए जो लोकतांत्रिक व्यवस्थाए जनप्रतिनिधियों के सम्मान के विरुद्ध है। वहीं अध्यक्ष पूरे समय मौन रहकर केवल औपचारिकता निभाती नजर आईंए जिससे यह संदेह और गहरा होता है कि गलतियों को छुपाने व अनुचित प्रस्तावों को पारित कराने का प्रयास किया गया। पीआईसी सदस्य अनीशा पटेल, सपना पटेल व वर्षा ठाकरे ने भी बैठक में पारदर्शिता की कमी पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई। वर्षा ठाकरे ने विशेष रूप से बताया कि केवल तीसरे बिंदु तक ही चर्चा हो पाई, उसके बाद आवश्यक फाइलें उपलब्ध नहीं होने के कारण आगे के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा ही नहीं हो सकी।

मनमानी कार्यप्रणाली का करेंगे विरोध:– पार्षदों ने कहा यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हम नगर विकास के विरोधी नहीं हैं और न ही किसी जनहित कार्य में बाधा डालना चाहते हैं। लेकिन इस प्रकार की अपारदर्शीए मनमानी और गैरण्जिम्मेदार कार्यप्रणाली किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने मांग की कि शेष 19 बिंदुओं को पारदर्शिता के साथ पुन: अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाए। सभी संबंधित फाइलें पार्षदों के समक्ष अनिवार्य रूप से रखी जाएं। प्रत्येक निर्णय की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए ताकि नगर हित सर्वोपरि बना रहे।

इसलिए हो रहा विरोध:– दरअसल पीआईसी की बैठक में बजट के साथ ही 20 प्रस्ताव रखे गए थे, जिन पर पार्षदों ने चर्चा तो की थीए लेकिन उस पर सहमति नहीं दी। वहीं इसे लेकर अध्यक्ष भारती पाटील का कहना था कि बजट के साथ ही प्रस्ताव भी पारित हो गए हैं। इससे पार्षदों का ऐतराज है और अब फिर नए सिरे से अध्यक्ष भारती पाटील के साथ ही सीएमओ मोहन सिंह अलावा का भी विरोध शुरू ।

एक नजर ▶ **बुरहानपुर के बाद अब शाहपुर में शान से लहराएगा राष्ट्रध्वज**

शाहपुर में जयस्तंभ पर स्थापित किया जा रहा 100 फीट ऊंचा तिरंगा : अर्चना चिटनिस

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। बुरहानपुर के शाहपुर नगर परिषद द्वारा शहर की पहचानए सौंदर्यीकरण और स्वच्छता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से जयस्तंभ पर लगभग 100 फीट ऊँचा विशाल तिरंगा ध्वज स्थापित किया जा रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025.26 की तैयारियों के बीच यह पहल न केवल शहर की भव्यता को बढ़ाएगी, बल्कि नागरिकों में गौरव और जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ करेगी। इन व्यवस्थाओं का जायजा लेने विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस शाहपुर पहुँचीं और नगर में चल रहे स्वच्छता एवं विकास कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता के साथ सौंदर्यीकरण भी जरूरी है। शाहपुर में 100 फीट तिरंगा शाहपुर की नई पहचान बनेगा।

विधायक चिटनिस ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2025.26 के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि शहरों के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं और जीवन स्तर को बेहतर बनाने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने कहा कि आज स्वच्छता का अर्थ केवल सफाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें कचरा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक अनुशासन, सार्वजनिक सहभागिता और शहर का सौंदर्यीकरण सभी शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, श्स्वच्छ भारत अभियान केवल नगरीय निकायों का नहीं है, यह जन.जन का अभियान है। जब तक प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेगा, तब तक हम स्थायी रूप से स्वच्छता के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे कचरा पृथक्करण, स्वच्छता बनाए रखने और शहर को सुंदर बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर स्थान प्राप्त करने के लिए सौंदर्यीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब शहर स्वच्छ होने के साथ.साथ सुंदर और आकर्षक दिखाई देता है, तो नागरिकों में अपने शहर के प्रति अपनत्व बढ़ता है और वे उसे स्वच्छ रखने के लिए अधिक जागरूक होते हैं। इसी सोच के साथ शाहपुर में तिरंगा स्थापना और प्रवेश मार्गों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

आपने कहा कि शाहपुर में जयस्तंभ पर स्थापित किया जा रहा लगभग 100 फीट ऊँचा तिरंगा ध्वज शहर की पहचान का प्रमुख केंद्र बनेगा। यह केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देशभक्ति, एकता और नागरिक कर्तव्य का प्रतीक होगा। इसके लिए लगभग 1380 किलोग्राम वजन का मजबूत पोल लगाया जाएगा,जिस पर 20म30 फीट आकार का राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। ध्वज को मोटर आधारित ऑटोमैटिक प्रणाली से संचालित किया जाएगा, जिससे इसका संचालन सुगम और सुरक्षित रहेगा। इस पूरी व्यवस्था पर दो वर्ष की गारंटी भी प्रदान की जाएगी। तिरंगा स्थापना कार्य के लिए 12.24 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है।

श्रीमती चिटनिस ने शाहपुर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती साधना वीरेन्द्र तिवारी सहित संपूर्ण टीम की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और जनसहभागिता के समन्वित प्रयासों से ही किसी शहर को आदर्श बनाया जा सकता है, और शाहपुर इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शाहपुर नगर परिषद जिस समर्पण और योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है, उसे देखते हुए यह विश्वास है कि नगर स्वच्छता सर्वेक्षण 2025.26 में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करेगा और अन्य नगरों के लिए एक मॉडल के रूप में उभरेगा।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी ने कहा कि विधायक एवं पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस के मार्गदर्शन, कार्यशीलता एवं कार्यपद्धति से प्रेरित होकर शाहपुर नगर परिषद आज तीव्र गति से विकसित नगर के रूप में उभरा है। उनके नेतृत्व में प्लास्टिक मुक्त अभियान, जल संरक्षण एवं स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण अभियानों के अंतर्गत व्यापक स्तर पर कार्य किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप शाहपुर की एक अलग पहचान बनी है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में लगभग इस पर 3 करोड़ 90 रूपए की लागत से विभिन्न विकास किए जा रहे है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, वहीं बंभाड़ा फाटे पर मां सावित्री बाई फुले की प्रतिमा स्थापना के साथ क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी किया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 9 में ज्योतिबा फुले की प्रतमा का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

डॉ.भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। श्मशान घाट के जीर्णोद्धार के साथ वहां भगवान भोलेनाथ एवं नदी की प्रतिमा की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही अमरावती नदी पर घाट निर्माण का कार्य प्रगति पर है। वार्ड क्रमांक 14 में कन्या स्कूल के पास सेल्फी प्वाइंट तैयार किया जा रहा है, जिसे युवाओं द्वारा सराहा जा रहा है। अर्चना दीदी के विजन को साकार करते हुए खामनी फाटे पर केला पार्क की स्थापना भी की जा रही है, जो नगर के आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसके साथ ही नगर परिषद द्वारा शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गों का हाईमास्ट लाइट एवं तिरंगे की थीम पर आकर्षक रोशनी से सौंदर्यीकरण किया गया है।